This question paper contains 3 printed pages.]

आपका अनुक्रमांक .....

7725 A

# M.A. (एम. ए.)/IV Sem.

## HINDI (हिन्दी)

## Paper 4073 : आधुनिक भारतीय साहित्य का संदर्भ

## Group-G : आधुनिक हिन्दी साहित्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 70

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

**टिप्पणी :** प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।

1. "'गोरा' राष्ट्रवाद की आलोचना है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

**अथवा**

'गोरा' के स्त्री-पात्रों की विशेषताओं का निरूपण कीजिए। 14

2. 'संस्कार' में जाति सम्बन्धी द्वन्द्व की विवेचना कीजिए।

[P.T.O.

**अथवा**

" 'संस्कार' एक [illegible] है।" इस कथन पर विचार कीजिए। 14

3 फ़िराक़ [illegible] प्रेम की विशेषता बताइए।

**अथवा**

फ़िराक़ गोरखपुरी [illegible] पर [illegible] डालिए। 14

4 [illegible] कोतवाल' के शिल्प पर लोक नाट्य तत्वों के प्रभाव का आकलन कीजिए।

**अथवा**

भारतीय नाटक के रूप में 'घासीराम कोतवाल' की समीक्षा कीजिए। 14

5 निम्नलिखित अंशों का संदर्भ सहित [illegible] विश्लेषण कीजिए :

(क) विनय ने कहा, "गोरा [illegible] समाज को समग्र [illegible] ग्रहण कर पाता है उसका कारण यही [illegible] कि वह [illegible] भारतवर्ष को देखता है। उसके लिए भारतवर्ष के छोटे-बड़े सब [illegible] विराट ऐक्य में बँधे हैं। ...... "

**अथवा**

नारायण ने मजाक करते हुए एक बार कहा था : "अपने [illegible] को बचाने के लिए वेद और पुराणों को बिना समझते हुए, [illegible] वर्णित भावावेशों की [illegible] करते हुए उन्हें पढ़ना चाहिए।" 7

(ख) नयी जमीन, नया आसमाँ, नयी दुनिया, नये सितारे, नयी गर्दिशें, नये दिन-रात जमीं से ताफलक इंतिज़ार का आलम फकत [illegible] में धुँधले गुबार का आलम।

**अथवा**

हम घासीराम। घासीराम सावलदास। हमने तुमको रौंदा, पाँव से कुचला--मगर अपनी बेटी की फूल सी जिन्दगानी मसल दी--मैं गुनहगार हूँ--मैंने गौरी का खून किया है। मुझे मारो। मुझे पीटो !